समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास - 2 (कक्षा - 6)

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

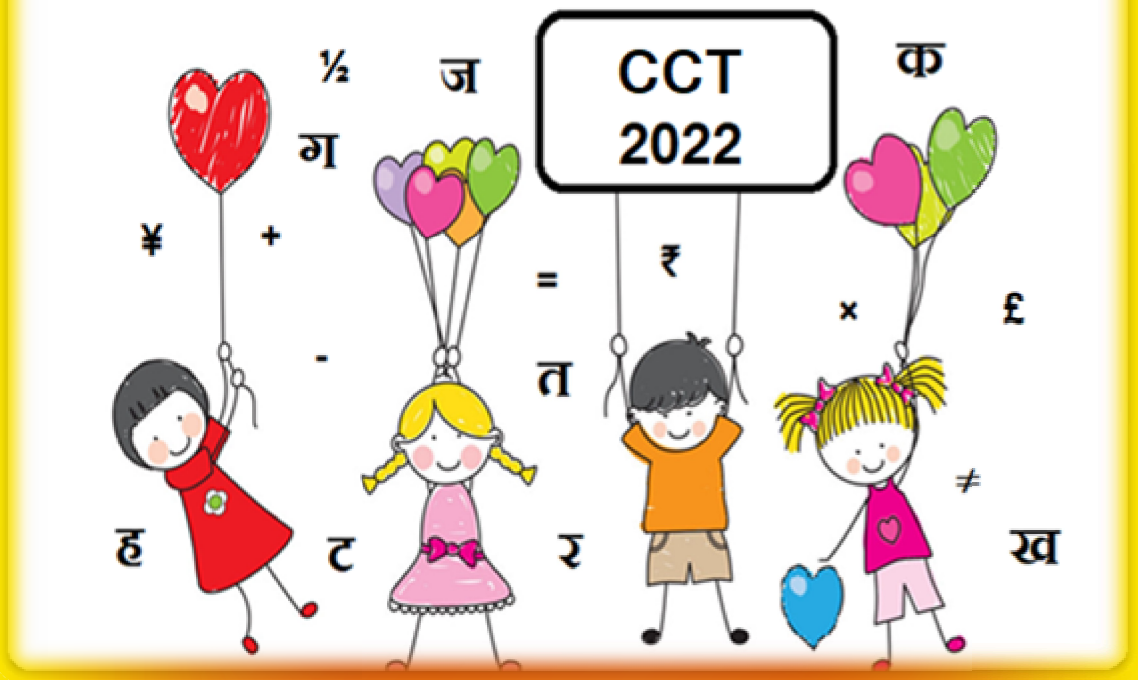

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्य श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
12. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़

दिशा निर्देश

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class : 6 Part - 2 आयु वर्ग : 11 - 12			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	विज्ञापन की दुनिया	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	5
2	बालश्रम मुक्त दुनिया	Understand Evaluate	इंटरनेट से साभार	8

3	प्रकृति और मनुष्य	Remember Analyze	इंटरनेट से साभार	11
4	बकरी और घास	Remember Evaluate	इंटरनेट से साभार	14
5	बीरबल की बुद्धिमानी और अकबर	Understand Apply	अकबर और बीरबल की कहानियाँ	17
6	नादान दोस्त	Understand create	पाठ्य पुस्तक	20
7	चाचा नेहरू और उनकी चिट्ठियाँ	Remember Apply	इंटरनेट से साभार	23
8	वीरांगना लक्ष्मी बाई जी	Understand Evaluate	इंटरनेट से साभार	26
9	सवैया - वन के मार्ग में	Understand Analyze	पाठ्य पुस्तक	31
10	प्राथमिक उपचार बॉक्स	Understand Apply	पत्रिका	34
11	पर्यावरण संरक्षण	Remember create	समाचार पत्र	37

प्रतिमान - 1

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - छठीं	भाग - 2
पाठ का प्रकार - अनुच्छेद	उप विषय: विज्ञापन की दुनिया	
सीखने के प्रतिफल : 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं। 617. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर-पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं। 619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।		

किसी भी वस्तु या विचार के प्रचार-प्रसार को विज्ञापन कहते हैं। विज्ञापन का उद्देश्य श्रोता, पाठक या उपभोक्ता के मन पर गहरी छाप छोड़ना है ताकि वह उससे प्रभावित हो सके। विज्ञापनों के अनेक प्रकार होते हैं। सामाजिक विज्ञापनों के अंतर्गत दहेज, नशा, परिवार-नियोजन आदि संदेश आते हैं। विभिन्न कार्यक्रमों रैलियों, आंदोलनों के विज्ञापन भी इसके अंतर्गत आते हैं। कुछ विज्ञापन विवाह, नौकरी, संपत्ति की खरीद-बेच संबंधी आते हैं। सबसे लोकप्रिय और लुभावने विज्ञापन होते हैं- व्यापारिक विज्ञापन। उद्योगपति अपने माल को दूर-दूर तक बेचने के लिए अत्यंत आकर्षक विज्ञापनों का प्रयोग करते हैं। विज्ञापन किसी वस्तु की खरीददारी में अहम भूमिका निभाते हैं। ग्राहक प्रसिद्ध वस्तुओं के विज्ञापन को देखकर, सुनकर उन्हें खरीदता है। चाहे अन्य श्रेष्ठ उत्पादन वहाँ मौजूद क्यों न हो। विज्ञापन प्रभावकारी होते हैं इसलिए उनका सामाजिक दायित्व भी बहुत बड़ा होता है। प्रायः माल बेचने के लिए भ्रामक विज्ञापन दिए जाते हैं। गलत व दूषित माल बेचने के लिए भी आकर्षक सितारों का उपयोग किया जाता है।

विज्ञापनों में समाज को प्रभावित करने की अद्भुत शक्ति है। यह सरकार, व्यापार तथा समाज के लिए वरदान हैं परंतु गलत हाथों में पढ़कर इसका दुरुपयोग भी हो सकता है। अतः इसके दुरुपयोग से बचा जाना चाहिए।

1. विज्ञापन से आप क्या समझते हैं?
2. विज्ञापन कितने प्रकार के हो सकते हैं?
3. व्यापारियों के लिए विज्ञापन वरदान कैसे बन जाते हैं?
4. विज्ञापन के जादुई प्रभाव से कैसे बचा जा सकता है?
5. एक कपड़ा निर्माता कंपनी ने 50 मीटर के थान में 25 कमीजें बनाई। एक कमीज की सिलाई पर रु250 खर्च हुए और रु15 उसकी पैकिंग में लग गए। दुकानदार तक पहुंचाने में प्रति कमीज रु35 खर्च हुए।

   (क) एक कमीज का लागत मूल्य ज्ञात करें।

   (ख) यदि निर्माता ने प्रति कमीज रु150 लाभ कमाया तो बताओ उसने कमीजों पर कुल कितना खर्च किया और उसे कुल कितना लाभ हुआ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	व्याख्यात्मक	कठिन
4	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	किसी भी वस्तु या विचार के प्रचार प्रसार को विज्ञापन कहते हैं।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	सामाजिक विज्ञापन, विभिन्न कार्यक्रमों रैलियों आंदोलनों के विज्ञापन, विवाह नौकरी संपत्ति के विज्ञापन ,व्यापारिक विज्ञापन
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	उद्योगपति अपने माल को दूर-दूर तक बेचने के लिए अत्यंत आकर्षक विज्ञापनों का प्रयोग करते हैं, ग्राहक प्रसिद्ध वस्तुओं के विज्ञापन को देखकर सुनकर उन्हें खरीदता है।
	Partial credit	अन्य कोई भी उपयुक्त /संगत उत्तर
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	अपने विवेक का प्रयोग करके/ समझदारी से काम ले कर के/ सितारों की चकाचौंध को दरकिनार कर अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को ही खरीद कर
	Partial credit	अन्य कोई भी उपयुक्त
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	क)300 रुपये ख) कमीज ऊपर कुल खर्च 7500 रुपए,लाभ 3750 रुपए
	Partial credit	उपरोक्त मे से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 2

स्रोत- इन्टरनेट	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय: बालश्रम मुक्त दुनिया	
सीखने के प्रतिफल : 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं। 614. नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। 619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।		

भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के अधिकारों के लिए किये गए कार्य के लिए सत्यार्थी को 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। इस मौके पर सत्यार्थी ने कहा, “कई हमलों और बर्बरता के बावजूद हर बच्चे को मुक्त कराने की अपनी प्रतिबद्धता से न ही हम कभी पीछे हटे और न ही कभी समझौता किया”। 'द प्राइस ऑफ फ्री' फिल्म करुणा, आशा और साहस को प्रदर्शित करती है और साथ ही जिम्मेदार उपभोक्तावाद के तहत बाल-श्रम मुक्त उत्पादन और आपूर्ति के लिए आवाज़ बुलंद करती है। साथ ही ये फिल्म कानून बनाने और उसे लागू करने वाली संस्थाओं को बच्चों के लिए किये जाने वाले कार्यों के प्रति प्रेरित करती है। ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता डेविस गुगेनहेम की सत्यार्थी के जीवन और काम पर बनी फ्री ऑफ द प्राइस नाम के इस वृत्तचित्र को 2018 में साल्ट लेक सिटी में हुए सन डांस फिल्म समारोह में ग्रैंड जूरी का पुरस्कार मिला था। यू ट्यूब पर मौजूद इस डाक्यूमेंट्री को इसी साल मोंटे कार्लो फिल्म फेस्टिवल पीसजम अवॉर्ड भी मिला था। इस मौके पर वॉकहार्ट समूह के अध्यक्ष और संस्थापक

डॉ. हबिल खोराकीवाला ने बाल दासता को समाप्त करने और दुनिया भर में लाखों बच्चों के उनका अधिकार दिलाने के लिए आजीवन प्रतिबद्ध कैलाश सत्यार्थी को वॉकहार्ट लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के साथ सम्मानित किया। समारोह में डॉ. हबिल खोरकीवाला के सुपुत्र डॉ. हुजैफा खोराकीवाला (जिन्हें डॉ. हूज़ के नाम से जाना जाता है) ने कहा कि आज कैलाश सत्यार्थी को इस पुरस्कार से सम्मानित करते वक्त हमें गर्व की अनुभूति हो रही है। सत्यार्थी हम सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। हमारा समूह शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य सेवा और हुनरमंदों के लिए काम करता है और हमें पूरी उम्मीद है कि हम असहाय लोगों के लिए और अधिक कार्य करेंगे।

1. कैलाश सत्यार्थी को नोबेल पुरस्कार किस कार्य के लिए दिया गया?
2. सर्वप्रथम किस भारतीय को नोबेल शांति पुरस्कार मिला?
3. कैलाश सत्यार्थी के जीवन और काम पर बनी फिल्म का क्या नाम है व इसके निर्माता का नाम भी बताएं?
4. कैलाश सत्यार्थी को 'वॉक हार्ट लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से क्यों सम्मानित किया गया?
5. एक कारखाने से चार बच्चों को छुड़वा कर स्नेहालय में भेजा गया। इन के नाम व उम्र क्रमश: रमेश 9 वर्ष, मोहित 11 वर्ष, ज़हीर 12 वर्ष व सुनील 14 वर्ष है। पूछने पर पता चला कि ज़हीर व सुनील 6 वर्ष से वहाँ काम कर रहे थे व बाकी दोनों 2 वर्ष से वहाँ थे। पता करें कि जब इन बच्चों को वहाँ काम करने लाया गया तब उनकी उम्र क्या थी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत

5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के अधिकारों के लिए किए गए कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	मदर टेरेसा
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	द प्राइस ऑफ फ्री,निर्माता डेविस गुगेनहेम
	Partial credit	कोई भी एक कथन
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	बाल दासता को समाप्त करने और दुनियाभर के लाखों बच्चों को उनका अधिकार दिलाने के लिए।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	रमेश 7 वर्ष,मोहित 9 वर्ष,जहीर 6 वर्ष ,सुनील 8 वर्ष
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 3

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - अनुच्छेद	उप विषय: प्रकृति और मनुष्य का संबंध	
सीखने के प्रतिफल 608. सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं। 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं। 617. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर-पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं।		

प्रारंभ से ही प्रकृति और मनुष्य का अटूट संबंध रहा है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवनदायक तत्वों को उत्पन्न किया है। मनुष्य ने वृक्षों के फल, बीज आदि खाकर अपनी भूख मिटाई है। इस प्रकार पेड़-पौधे हमारे मित्र ही नहीं अपितु जीवन दाता भी हैं। पेड़-पौधे केवल हमें भोजन ही प्रदान नहीं करते अपितु जीवनदायिनी वायु ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। यह हमारे वातावरण से कार्बन-डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन बाहर निकालते हैं। पृथ्वी पर हरियाली के स्रोत पेड़-पौधे ही हैं। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन संपदा का अंधाधुंध दोहन किया है। जिसके कारण प्राकृतिक असंतुलन उत्पन्न हो गया है। पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी और कार्बन-डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी हो गई है। यहाँ अनेक प्रकार का प्रदूषण उत्पन्न हो गया है। प्रदूषण से अनेक प्रकार की घातक बीमारियाँ बढ़ रही हैं और अभी भी वृक्षों की कटाई जारी है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई करके हम अपने पैरों पर स्वयं कुल्हाड़ी मार रहे हैं। यहाँ पर्यावरण संतुलन के हिसाब से 33% भाग पर वन होने चाहिए किंतु

यहाँ केवल 19 प्रतिशत भाग पर वन है। पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक आंदोलन चलाए गए है। चिपको आंदोलन वन संरक्षण अभियान का साहसिक कदम है। पर्यावरण संतुलन के लिए हमें वृक्ष काटने की बजाय वृक्ष लगाने चाहिए। प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति को एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी करना चाहिए। हमें योजनाबद्ध तरीके से वृक्षारोपण करके वन संरक्षण करना चाहिए।

1. प्रारंभ से ही प्रकृति और मनुष्य का संबंध कैसा रहा है?
2. पर्यावरण संतुलन के हिसाब से धरती पर कितने प्रतिशत भाग पर वन नहीं है?
3. प्रतिवर्ष प्रत्येक व्यक्ति एक वृक्षारोपण का संकल्प लेता है तो 100 लोगों के हिसाब से 10 साल में कितने वृक्ष लगेंगे।
4. चिपको आंदोलन कब और किसने शुरू किया था?
5. प्राकृतिक असंतुलन का कारण है-

   क) वन-संपदा का अंधाधुंध दोहन ख) ऑक्सीजन की कमी

   ग) कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी घ) उपरोक्त सभी

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पी	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	अटूट संबंध ,प्रकृति ने जीवनदायक तत्व उत्पन्न किया,मनुष्य ने वृक्षों के फल बीज खाकर भूख मिटाई, वृक्षों से जीवनदायिनी वायु ऑक्सीजन की प्राप्ति ।
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	14 प्रतिशत
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	1000 वृक्ष
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	सुंदरलाल बहुगुणा, अप्रैल 1973
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	क) वन संपदा का अंधाधुंध दोहन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 4

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार- कहानी	उप विषय: बकरी और हरी हरी घास	
सीखने के प्रतिफल : 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं। 614. नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। 617. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर-पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रेल भाषा में व्यक्त करते हैं।		

एक जंगल में तीन दुबली-पतली बकरियाँ रहती थी। उनके घर के पास की पहाड़ी के दूसरी ओर हरी-हरी घास के मैदान थे। वे तीनों वहाँ जाना चाहती थी, परंतु रास्ते में नदी पर बने पुल को पार करना पड़ता था। उसके नीचे एक शैतान बौना रहता था। वह वहाँ से गुजरने वाले जानवरों को मारकर खा जाता था। जिस कारण वहाँ जाने से सब डरते थे। एक दिन तीनों बकरियों ने वहाँ जाने की सोची। सबसे पहले छोटी बकरी चली। जैसे ही वह पुल पर पहुँची, तभी शैतान बोने ने पूछा,"कौन है, जो पुल के ऊपर से जा रहा है?" "मैं दुबली पतली छोटी-सी बकरी हूँ। जो हरी-हरी घास खाना चाहती है।" शैतान बौने ने कहा, "तुम पुल के पास मत आना। वरना मैं तुम्हें खा जाऊंगा।" छोटी बकरी ने कहा," तुम्हारा पेट नहीं भरेगा। मेरी बड़ी बहन आएगी। उसे खा लेना।" छोटी बकरी को देखकर बौने ने उसे जाने दिया। थोड़ी देर बाद दूसरी बकरी आती है। बौने ने उसे भी वही कहा। तब दूसरी बकरी ने कहा," मैं तो दुबली-पतली हूँ। मुझे खाने से तुम्हारा पेट नहीं भरेगा। मेरी बड़ी बहन आएगी उसे खा लेना।" बौने ने उसे देखा और जाने

दिया। फिर अंत में तीसरी बकरी आई। बौने ने जैसे ही उसे रोका। बड़ी बकरी को गुस्सा आ गया। उसने गुस्से में कहा," तुम मुझे खाओगे। लो खा कर दिखाओ।" इतना कहकर बड़ी बकरी बौने के पीछे भागी। उस ने बौने को उठाकर हवा में उछाल दिया। बौना नदी में जाकर गिरा और मर गया। तीनों बकरियों ने जी भरकर हरी-हरी घास खाई और अपने घर हँसी-खुशी वापस आ गई।

1. मानो यदि मंझली बकरी का भार 35 किलोग्राम है, छोटी बकरी का भार मंझली से आधा है। बड़ी बकरी का भार मंझली से 27 किलोग्राम ज्यादा है। तो बड़ी बकरी व छोटी बकरी का भार पता करें ।
2. तीनों बकरियाँ पुल पार करके कहाँ जाना चाहती थी और क्यों?
3. पहली दोनों बकरियाँ किसका सहारा लेकर बौने से बच निकली?

   क) मूर्खता का ख) बुद्धि और चालाकी का

   ग) लालच का घ) पैसे का
4. मानो छोटी बकरी ने 800 ग्राम, मंझली बकरी ने 1 किलो 700 ग्राम तथा बड़ी बकरी ने 3 किलो 200 ग्राम घास खाई। तीनों ने कुल कितने घास खाई?
5. क्या कभी आपने अपने जीवन मे बुद्धिमता के बल पर किसी विपत्ति से छुटकारा पाया है? अपने अनुभव के आधार पर लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	बहुविकल्पी	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	छोटी बकरी 17 किलो 500 ग्राम,बड़ी बकरी 62 किलोग्राम
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	पहाड़ी के दूसरी ओर हरे-हरे घास के मैदान में जाना चाहती थी,क्योंकि उन्हें घास चरना था।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	ख) बुद्धि और चालाकी का
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	5 किलो 700 ग्राम
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	सटीक/संगत उत्तर ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 5

स्रोत - अकबर और बीरबल की कहानियाँ	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय: बीरबल की बुद्धिमानी और अकबर	

सीखने के प्रतिफल :

609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं।

610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।

613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।

एक बार बीरबल दरबार में देर से पहुंचा तो अकबर उससे नाराज़ हो गए। अकबर ने देरी से आने का कारण पूछा तो बीरबल ने कहा,"महाराज! मेरा बच्चा बड़ा हठी है। वह मुझे आने ही नहीं दे रहा था" लेकिन अकबर इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए। अकबर को इस बात का यकीन दिलाने के लिए बीरबल ने कहा कि वह एक जिद्दी बच्चे की तरह बर्ताव करेगा और अकबर उसे मनाने की कोशिश करें। बीरबल जिद्दी बच्चे की तरह बर्ताव करने लगा और अकबर की गोद में जा बैठा। अकबर ने बच्चे बने बीरबल को राजी करने की पूरी कोशिश की लेकिन सब बेकार रहा। जोर-जोर से रोते हुए बीरबल ने गन्ना खाने की मांग की। जब गन्ना आ गया तो उसने अकबर से कहा कि गन्ने के छोटे-छोटे टुकड़े कर दो। हालांकि अकबर को काफी झल्लाहट हो रही थी पर फिर भी उन्होंने गन्ने के छोटे-छोटे टुकड़े कर दिए। अगले ही पल बीरबल और भी गला फाड़-फाड़ कर चिल्लाने लगा और बोला कि गन्ने के टुकड़े जोड़कर फिर से पहले जैसा गन्ना बना दिया जाए। आखिर में अकबर को बीरबल की इस बात का यकीन हो ही गया कि किसी

जिद्दी बच्चे को काबू करना कितना मुश्किल होता है। उन्होंने बीरबल की बुद्धिमता की बहुत सराहना की।

1. बीरबल ने देरी से आने का क्या कारण बताया?
2. बीरबल की समस्या को समझने के लिए अकबर-बीरबल ने कौन-सा रूप धारण किया?

   क) दादा-पोता ख) चाचा-भतीजा ग) पिता-पुत्र घ) मामा-भांजा
3. अकबर, बीरबल के लिए आठ गन्ने लेकर आया। उसने प्रत्येक गन्ने के सात टुकड़े किए, तो बताएं बीरबल के पास खाने के लिए कुल कितने टुकड़े हैं ?

   क) 86 ख) 76 ग) 66 घ) 56
4. शंकर गन्ने के रस का एक बड़ा गिलास रु15 और छोटा गिलास रु8 में बेचता है। सुरेंद्र अपनी पत्नी और बेटी के साथ जाकर गन्ने के रस के दो बड़े गिलास और एक छोटा गिलास पीता है। तो बताएं उसे शंकर को कुल कितने रुपए देने होंगे?
5. क्या माता-पिता को अपने बच्चे की हर जिद्द पूरी करनी चाहिए? अपने विचार लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	कारण मेरा बच्चा हठी है, आने नही दे रहा था।
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
2.	Full credit	पिता-पुत्र।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
3.	Full credit	: घ) 56 टुकड़े
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
4.	Full credit	38 रुपए
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
5.	Full credit	सटीक/संगत उत्तर। जायज़ मांग पूरी करनी चाहिए, जो उसके स्वास्थ्य,शिक्षा,विकास के लिए प्रतिकूल न हों।
	Partial credit	यदि उत्तर हाँ या न में हो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर

प्रतिमान - 6

स्रोत - पाठ्य पुस्तक (वसंत भाग-एक)	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार- कहानी	उप विषय: नादान दोस्त	
सीखने के प्रतिफल : 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 612. विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं। 613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं। 619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।		

गर्मियों के दिन थे। केशव और उसकी बहन श्यामा के स्कूल की छुट्टियां चल रही थी। उनके घर के कार्निस पर एक चिड़िया ने घोंसला बनाया हुआ था। दोनों बच्चे चिड़िया को घोंसले पर आते-जाते देखा करते थे। उनके मन में जिज्ञासा उठी कि चिड़िया का घोंसला कैसा होगा? उसके बच्चे कैसे दिखते होंगे? किस रंग के होंगे? क्या खाते होंगे? आदि। परंतु उनकी जिज्ञासा को शांत करने वाला घर में कोई नहीं था। माता-पिता अपने ही कामों में व्यस्त रहते। एक दिन दोनों ने फैसला किया कि स्टूल पर चढ़कर घोंसले को देखा जाए। परंतु इस बात की भनक उन्होंने अपनी मां को नहीं पड़ने दी। केशव स्टूल पर चढ़ा और कार्निस तक उसका हाथ आसानी से पहुंच गया। उसने देखा कि घोंसले में चिड़िया के अंडे थे और उन्हें धूप लग रही थी। दोनों भाई-बहन ने सोचा कि इन्हें धूप से कैसे बचाया जाए? केशव ने श्यामा से चिथड़े,टोकरी और दाना-पानी मंगवा कर घोंसले को छाया दी और अंडों को चिथड़ों पर रख दिया। फिर दोनों जाकर सो गए। 4 बजे यकायक श्यामा की नींद खुली। उसने दरवाजा खोला और देखा कि चिड़िया के अंडे तो ज़मीन पर टूटे पड़े हैं। उसे लगा कि शायद बच्चे उनमें से निकलकर उड़ गए हैं। जब मां ने यह सब देखा तो उन्हें समझते देर न लगी कि जरूर बच्चों ने चिड़िया के अंडों को छुआ था।

मां ने केशव और श्यामा को समझाते हुए कहा कि पक्षियों के अंडों को छूने से अंडे गंदे हो जाते हैं और फिर पक्षी उन्हें नहीं सेते। केशव और श्यामा को अपनी गलती पर अफसोस हुआ और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे।

1. केशव और श्यामा के मन में किस विषय को लेकर जिज्ञासा उठती थी?
2. चिड़िया के अंडों की रक्षा के लिए केशव ने श्यामा से क्या-क्या सामान मंगवाया?

   क) चिथड़े व टोकरी ख) कुर्सी व गद्दी ग) थाली व कटोरी घ) पत्ते व टहनियाँ
3. केशव और श्यामा के घर का कार्निस 12 फुट की ऊंचाई पर था। केशव ने वहां तक पहुंचने के लिए 8 फुट ऊंचा स्टूल लिया। तो बताएं कि केशव का कद लगभग कितना होगा?
4. यदि 1 फुट में 12 इंच और 1 इंच में 2.54 सेंटीमीटर होते हैं। तो केशव के स्टूल की ऊंचाई सेंटीमीटर में बताएं?
5. गाँव की अपेक्षा शहरों में पक्षी कम क्यों दिखते हैं? अपने विचार बताएं।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	चिड़िया का घोंसला कैसा होगा?, उसके बच्चे कैसे दिखते होंगे?, किस रंग के होंगे?,क्या खाते होंगे? आदि।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई दो

	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
2.	Full credit	चिथड़े व टोकरी।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
3.	Full credit	4 फुट
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
4.	Full credit	243.84 सेंटीमीटर
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
5.	Full credit	सटीक/संगत उत्तर। गाँव के घरों में घोंसलों के लिए पर्याप्त जगह होती है। गाँव मे शांत वातावरण होता है ध्वनि प्रदूषण कम होता है।
	Partial credit	कोई भी एक संगत उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर

प्रतिमान - 7

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - निबंध	उप विषय: चाचा नेहरू और उनकी चिट्ठियाँ	
सीखने के प्रतिफल : 609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। 612. विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं। 614. नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं। 619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।		

जवाहरलाल नेहरू(14 नवंबर 1889 - 27 मई 1964) आज़ाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। बच्चों से उन्हें बेहद लगाव था। वे 'चाचा नेहरू' के नाम से जाने जाते हैं। उन्हीं के जन्मदिन पर 'बाल दिवस' भी मनाया जाता है। उनकी बेटी इंदिरा जब 10 वर्ष की थीं, नेहरू जी ने उन्हें अनेक चिट्ठियाँ लिखीं। जिनमें से एक चिट्ठी हमारी पाठ्यक्रम में 'संसार पुस्तक है' के नाम पर है। इसमें बताया गया है कि पृथ्वी की शुरुआत कैसे हुई और मनुष्य ने अपने आप को कैसे धीरे-धीरे समझा-पहचाना। यह पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियाँ और इसी तरह की और भी कितनी ही चीजें हैं, जिनसे हमें दुनिया का पुराना हाल मालूम हो सकता है। मगर हाल जानने का असली तरीका यह नहीं है कि हम केवल दूसरों की लिखी हुई किताबें पढ़ लें, बल्कि खुद संसार-रूपी पुस्तक को पढ़ें। यह चिट्ठियाँ बच्चों में अपने आस-पास की दुनिया के बारे में सोचने-समझने और जानने की उत्सुकता पैदा करती हैं। नेहरू जी को अपने देश के बारे में बोलने-बताने में विशेष आनंद आता था। ये सभी चिट्ठियाँ 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' पुस्तक में संकलित हैं। 'संसार पुस्तक है' इसी पुस्तक से साभार लिया गया है। खास बात यह है कि ये पत्र नेहरु जी ने अंग्रेज़ी में लिखे थे और इनका हिंदी में अनुवाद हिंदी के मशहूर उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद ने किया है।

1. दुनिया का पुराना हाल कैसे मालूम किया जा सकता है?

2. नेहरू जी द्वारा लिखी सभी चिट्ठियाँ किस पुस्तक में संकलित हैं?
3. विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी और विज्ञान के कुल 2000 पुस्तकें हैं। जिनमें से 591 पुस्तकें छात्रों को पढ़ने के लिए दी गई हैं। बताइए कितनी पुस्तकें शेष बचीं?
4. पुस्तकालय के नियमों के अनुसार समय पर पुस्तक न लौटाने वाले को प्रतिदिन 1.50 रुपए जुर्माना लगाया जाता है। यदि रमेश निर्धारित समय से 28 दिन देरी से पुस्तक लौटाता है, तो उसे कुल कितना जुर्माना देना होगा?
5. मोबाइल इंटरनेट की दुनिया में पुस्तक पाठन की क्या भूमिका है? अपने विचार बताएं।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला:

1.	Full credit	दुनिया का पुराना हाल पहाड़ समुद्र सितारे नदियाँ जंगली जानवरों की पुरानी हड्डियां आदि से जाना जाता है।
	partialcredit	उपरोक्त में से कोई दो
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
2.	Full credit	पिता के पत्र पुत्री के नाम।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
3.	Full credit	1409 पुस्तकें शेष बचीं।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
4.	Full credit	: 42 रूपया जुर्माना देना होगा।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर
5.	Full credit	सटीक/संगत उत्तर । मोबाइल इंटरनेट की दुनिया के

		बावजूद पुस्तकों के पठन-पाठन की अहमियत बरकरार है। पुस्तकों को दस्तावेज की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है, सम्भाला जा सकता है |
	Partial credit	कोई भी एक संगत उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/उत्तर

प्रतिमान - 8

स्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय: वीरांगना लक्ष्मीबाई जी	

सीखने के प्रतिफल :

609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं।

610. हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।

613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।

सच्चा वीर कभी आपत्तियों से नहीं घबराता। प्रलोभन उसे कर्तव्य पालन से विमुख नहीं कर सकता। ऐसी आत्मविश्वासी, कर्तव्यपरायण और स्वाभिमानी थीं - वीरांगना लक्ष्मीबाई। भारतीय वसुंधरा को गौरवान्वित करने वाली महारानी लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में वीरांगना थी। इनका जन्म वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 19 नवंबर 1828 ई को हुआ था। इनका बचपन का नाम मणिकर्णिका था। सभी उन्हें प्यार से मनु या छबीली कह कर पुकारते थे। उनकी माता जी का नाम भागीरथी बाई और पिता का नाम मोरोपंत तांबे था। मनु ने बचपन से ही शास्त्रों की शिक्षा के साथ-साथ शस्त्रों की शिक्षा भी ली थी। सन् 1842 में उनका विवाह झाँसी के मराठा राजा गंगाधर राव के साथ हुआ। झाँसी की रानी सन् 1851 में रानी लक्ष्मीबाई जी ने एक पुत्र को जन्म दिया परंतु 4 महीने की उम्र में ही उस बालक की मृत्यु हो गई। सन् 1853 में महाराज की तबीयत बहुत अधिक बिगड़ जाने के कारण उन्हें दत्तक पुत्र लेने की सलाह दी गई। पुत्र गोद लेने के बाद 21 नवंबर 1853 को राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गई। दत्तक पुत्र का नाम दामोदर राव रखा गया।

ब्रितानी राज ने अपनी राज्य हड़प नीति के तहत बालक दामोदर राव के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर कर दिया। रानी को किला छोड़कर रानी महल में जाना पड़ा, पर रानी ने हिम्मत नहीं हारी। हर हाल में उन्होंने राज्य झाँसी की रक्षा करने का कर्तव्य निभाया। झाँसी

पड़ोसी राज्यों और ब्रितानी हुकूमत के खतरों से अनजान न थी इसलिए उन्होंने झाँसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया और एक स्वयंसेवक सेना का गठन प्रारंभ किया। इस सेना में उन्होंने महिलाओं की भी भर्ती की। उन्हें युद्ध का प्रशिक्षण दिया। झलकारी बाई, जो रानी की हमशक्ल थी, को उन्होंने अपनी सेना में प्रमुख स्थान दिया। सन् 1857 के सितंबर-अक्टूबर के महीनों में झाँसी के दो पड़ोसी राज्यों ओरछा और दतिया के राजाओं ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने उनको मुँहतोड़ जवाब दिया। इसके बाद ब्रितानी सेना ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। 1858 के जनवरी माह में ब्रितानी सेना ने झाँसी की ओर बढ़ना शुरू किया और मार्च 1858 में झाँसी को चारों ओर से घेर कर झाँसी पर कब्जा कर लिया। लेकिन रानी अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव के साथ बच निकलीं। रानी कालपी पहुंची। जहाँ वे तात्या टोपे से मिलीं। तात्या टोपे और रानी की संयुक्त सेना ने ग्वालियर के विद्रोही सैनिकों की मदद से ग्वालियर के किले पर कब्जा कर लिया। बाजीराव प्रथम के वंशज अली बहादुर द्वितीय को उन्होंने राखी भेजी थी इसलिए वे भी युद्ध में रानी के सहायक बने। 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास कोटा की सराय में ब्रितानी सेना से लड़ते-लड़ते रानी वीरगति को प्राप्त हुईं।

1. झांसी की रानी की मृत्यु किस प्रकार और किस आयु में हुई ?
2. झांसी की रानी ने सेना में महिलाओं की भर्ती करके उन्हें प्रशिक्षण देकर एक महिला सशस्त्र सेना तैयार की थी। आज के दौर में भारतीय सेनाओं में महिलाओं की क्या स्थिति है ?
3. प्राचीन भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में बाँटा था। जिनमें से कुछ आपस में मित्र होते थे, कुछ शत्रु। आज के समय में भी क्या भारत के कोई मित्र-राष्ट्र या शत्रु राष्ट्र हैं? यदि हाँ, तो उनके नाम लिखें ।
4. मान लीजिए यदि उस समय किसी राजा की सेना में एक पैदल सैनिक का मासिक वेतन 1 रुपए 50 पैसे, एक घोड़े का मासिक खर्च 5.50 रुपए, एक हाथी का मासिक खर्च 9.50 रुपए होता था, तो बताओ

   क) कुल 500 पैदल सैनिकों का मासिक वेतन क्या होगा ?

ख) 70 घोड़ों और 25 हाथियों का कुल मासिक खर्च कितना होगा?

5) ब्रितानी का अर्थ बताएँ ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	वर्णात्मक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	ब्रितानी सेना से लड़ते हुए, 28 साल 7 महीने (लगभग 29 साल)
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है लेकिन सेना के कई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं ।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	:मित्र राष्ट्र: रूस श्रीलंका बांग्लादेश म्यांमार शत्रु राष्ट्र:पाकिस्तान चीन
	Partial credit	यदि उत्तर हाँ में है।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	क)750 रूपया पैदल सैनिकों का मासिक वेतन। ख)70 घोड़ो और 25 हाथियों का कुल मासिक खर्च 622.50 रुपए होगा।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक

	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	अंग्रेज़ी सरकार
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 9

स्रोत - पाठ्य पुस्तक (वसंत भाग - एक)	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - सवैया	उप विषय: वन के मार्ग में	

सीखने के प्रतिफल :

609. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं।

612. विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं।

613. हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

619. विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।

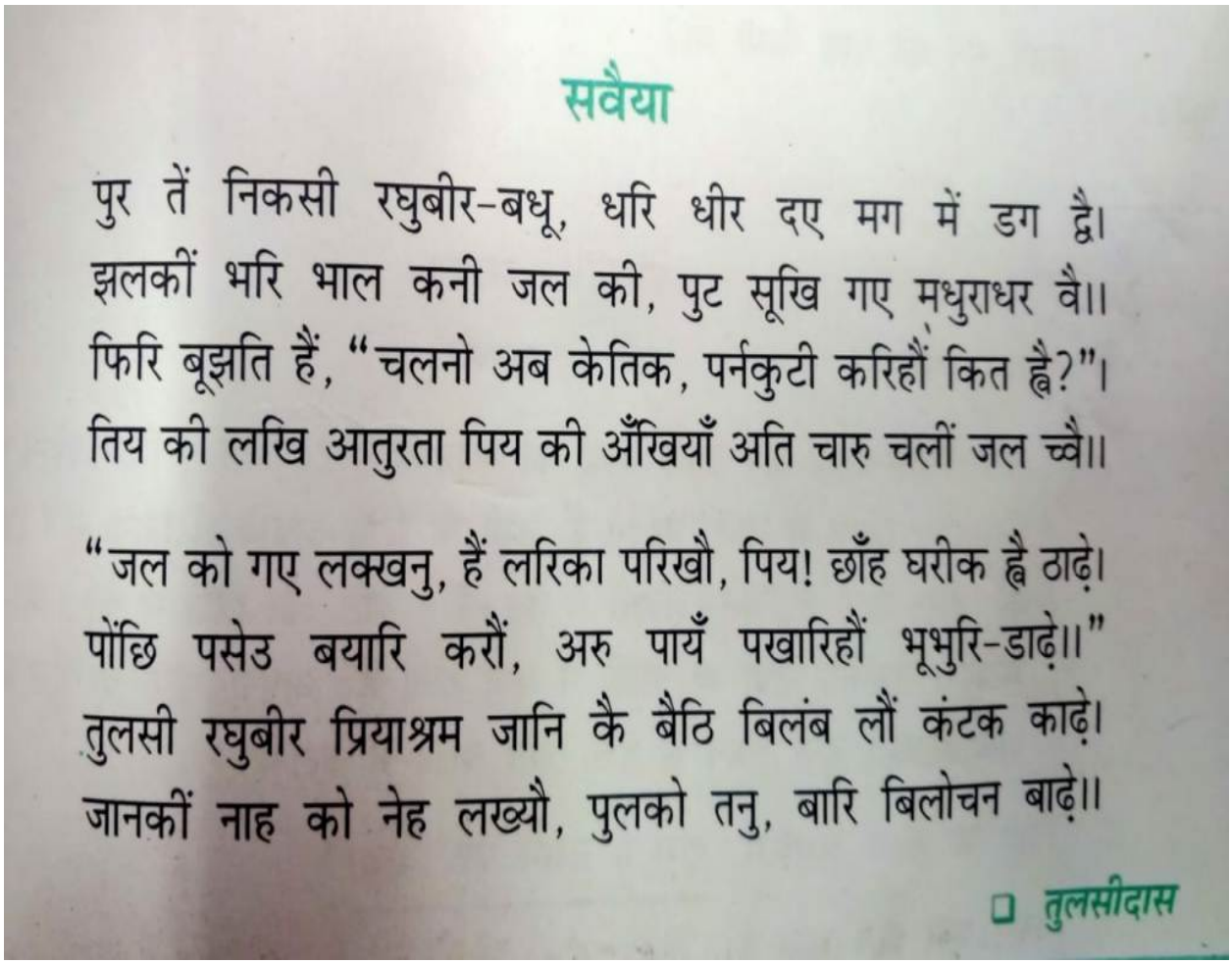

सवैया

पुर तें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दए मग में डग द्वै।
झलकीं भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै।।
फिरि बूझति हैं, "चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै?"।
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु चलीं जल च्वै।।

"जल को गए लक्खनु, हैं लरिका परिखौ, पिय! छाँह घरीक ह्वै ठाढ़े।
पोंछि पसेउ बयारि करौं, अरु पायँ पखारिहौं भूभुरि-डाढ़े।।"
तुलसी रघुबीर प्रियाश्रम जानि कै बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े।
जानकीं नाह को नेह लख्यौ, पुलको तनु, बारि बिलोचन बाढ़े।।

❑ तुलसीदास

1. प्रस्तुत पंक्तियाँ 'रामचरितमानस' के किस प्रसंग को दर्शा रही हैं?
2. श्री राम की आँखों से आँसू क्यों बहने लगे?
3. वन के मार्ग पर चलते हुए सीता एक कदम 12 इंच के बराबर चलती है। पर्णकुटी निर्धारित स्थान से 45 फुट दूर है। बताएं सीता पर्णकुटी तक की दूरी कितने इंच में पूरा करेंगी? (1 फुट = 12 इंच)
4. 24 घंटों में आठ प्रहर होते हैं। तो दिन के चार प्रहर कितने घंटों के बराबर हैं?
5. श्रीराम ने अपने पिताजी की आज्ञा का पालन करते हुए अयोध्या के राजपाट को त्याग दिया। आप अपने माता-पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए अपनी किस मनपसंद वस्तु का त्याग कर सकते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
2	विवेचन	तथ्यात्मक	कठिन
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	वन गमन प्रसंग को,सीता की प्यास से व्याकुलता के प्रसंग को
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2.	Full credit	सीता की व्याकुलता देखकर श्रीराम की आंखों से आँसू बहने लगे।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	540 इंच।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	12 घण्टे के बराबर
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	मोबाइल, टेलीविजन इत्यादि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 10

स्रोत - पत्रिका	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - चित्र	उप विषय: **प्राथमिक उपचार बॉक्स**	

सीखने के प्रतिफल :

604. रेडियो, टीवी., **अखबार इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं।**

609. **किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं,** अनुमान लगाते हैं, **निष्कर्ष निकालते हैं।**

616. **दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को ज़रूरत के अनुसार लिखना,** जैसे- सार्वजनिक स्थानों (जैसे- चौराहों, बसों, बस अड्डे आदि) **पर सुनी गई बातों को लिखना।**

619. विभिन्न अवसरों/**संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।**

1. दिखाए गए चित्र में कुल कितने बच्चे हैं और वे बस में ही क्यों है?
2. जब हम कहीं जाते हैं तो हमें फर्स्ट एड बॉक्स की आवश्यकता क्यों पड़ती है?
3. एक स्कूल बस में औसतन 35 बच्चे बैठ सकते हैं। यदि स्कूल की तरफ से 4 बसें शैक्षिक भ्रमण पर गई तो कुल कितने बच्चे बस में बैठ कर गए होंगे?
4. प्राथमिक उपचार बॉक्स देखकर लड़का चकित क्यों था?
5. चित्र में बच्चों की देखभाल के लिए कौन नहीं है?

क) ड्राइवर　　ख) कंडक्टर

ग) अध्यापिका　　घ) दादी

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
2	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	कुल 12 बच्चे, विद्यार्थियों द्वारा दिया गया कोई भी सटीक तर्क।
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	आपातस्थिति में चोट लगने पर फर्स्ट एड की आवश्यकता पड़ती है।

	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	140 बच्चे
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	प्राथमिक उपचार बॉक्स में कोई सामान न देखकर लड़का चकित था
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	दादी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - छठी	भाग - 2
पाठ का प्रकार - विज्ञापन	उप विषय: पर्यावरण संरक्षण	

सीखने के प्रतिफल :

609. **किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं,** अनुमान लगाते हैं, **निष्कर्ष निकालते हैं।**

610. **हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री** (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) **को समझकर पढ़ते हैं और उसमें** अपनी पसंद नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।

612. **विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति** के साथ पढ़ते हैं।

619. विभिन्न अवसरों/**संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।**

नि:शुल्क पौधे कहां और कब मिलेंगे, शेड्यूल जारी

पर्यावरण संरक्षण: कोई भी इस गाड़ी से ले सकता है 5 पौधे

वन विभाग 'आपके द्वार' पहल के तहत आपके एरिया में गाड़ी नि:शुल्क पौधे बांटने कब पहुंचेगी, इसका शेड्यूल फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने जारी कर दिया है। आप इस गाड़ी से बिना किसी औपचारिकता के पांच पौधे तक निशुल्क ले सकते हैं। एक व्यक्ति को 5 पौधे तक दिए जा सकते हैं। यह गाड़ी रोज सुबह 10 से शाम 6 बजे तक शेड्यूल में तय एरिया के अंदर घूमेगी। अपने एरिया में गाड़ी की जानकारी लेने के लिए लोग 78370 39567 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। वहीं अगर किसी को इससे ज्यादा पौधे चाहिए तो वह फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की किसी भी नर्सरी से संपर्क कर सकते हैं।

डिपार्टमेंट की किसी भी नर्सरी से संपर्क कर सकते हैं।

1. **पर्यावरण संरक्षण हेतु कौन सा विभाग बेहतरीन प्रयास कर रहा है?**
2. **किस तारीख को सबसे अधिक एरिया में पौधे बांटे जाएंगे?**
3. **यदि 20 जुलाई और 27 जुलाई को प्रत्येक सेक्टर में 175 पौधे दिए जाएं, तो उस दिन कितने नि:शुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे?**
4. **निशुल्क पौधे बांटने वाली गाड़ी एक सेक्टर में 35 मिनट लगाती है, तो बताएं 5 सेक्टरों में पौधे वितरित करने के बाद 6वें सेक्टर में गाड़ी कितने बजे पहुंचेगी?**
5. **क्या आपने अपने घर में या घर के आस-पास पौधे लगाएं हैं? तो बताइए आप उनका ध्यान किस प्रकार रखते हैं?**

यह है पौधा बांटने वाली गाड़ी का शेड्यूल	
तिथि	**पौधे बांटने का एरिया**
20 जुलाई	सेक्टर 16, 23, 15, 24
21 जुलाई	सेक्टर 7, 10, 8, 9, 11
22 जुलाई	सेक्टर 14, 25, 12, 39, धनास, खुड्डा लाहौरा, सारंगपुर
23 जुलाई	सेक्टर 4, 26, किशनगढ़ और कैंबवाला
24 जुलाई	सेक्टर 28, 29 मनीमाजरा और मौलीजागरां
25 जुलाई	सेक्टर 31, 32, 46, 47 और रामदरबार
26 जुलाई	सेक्टर 33, 34, 44, 45 और बुडैल
27 जुलाई	सेक्टर 35, 36, 42, 43
28 जुलाई	सेक्टर 37, 38, 40, 41 कजहेड़ी और बढ़हेड़ी
29 जुलाई	सेक्टर 55, 56 मलोया और डड्डूमाजरा
30 जुलाई	सेक्टर 51, 52, 53, 54 और पलसोरा
31 जुलाई	सेक्टर 48, 49, 50, 61, 62 और 63

1. पर्यावरण संरक्षण हेतु कौन-सा विभाग बेहतरीन प्रयास कर रहा है?
2. किस तारीख को सबसे अधिक एरिया में पौधे बांटे जाएंगे?
3. यदि 20 जुलाई और 27 जुलाई को प्रत्येक सेक्टर में 175 पौधे दिए जाएं, तो उस दिन कितने निशुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे?
4. निशुल्क पौधे बांटने वाली गाड़ी एक सेक्टर में 35 मिनट लगाती है, तो बताएं 5 सेक्टरों में पौधे वितरित करने के बाद 6वें सेक्टर में गाड़ी कितने बजे पहुंचेगी?
5. क्या आपने अपने घर में या घर के आस-पास पौधे लगाएं हैं? तो बताइए आप उनका ध्यान किस प्रकार रखते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full credit	फॉरेस्ट डिपार्टमेंट/वन विभाग।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	31 जुलाई को।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	1400 निःशुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	1 2 बजकर 55 मिनट के बाद पहुँचेगी
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	उनकी देखभाल (निराई, गुड़ाई,खरपतवार निकालना) करते

		हैं। पशुओं से बचाने के लिए चारों तरफ से तारबंदी करते हैं। कीटनाशकों का छिड़काव करते हैं।
	partial credit	उपरोक्त में से कोई दो या कोई दो अन्य सटीक उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर